Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
T.D.C. 4th Semester Examination
Subject:- Hindi (Hons.)
Paper – 4th
Model Paper (Full Marks – 80)

01. निम्नलिखित में से किन्हीं एक कहानी की समीक्षा कीजिए।

(क) बूढ़ी काकी (ख) कानों में कंगना (ग) एक गौ (घ) ठेस (ड़) सुख

02. निम्नलिखित में से किन्हीं एक निबन्ध की समीक्षा कीजिए।

(क) तुलसी का लोकधर्म (ख) प्रेरणा का स्वरूप (ग) ग्रामगीत का मर्म (घ) जीवन में साहित्य का स्थान

अथवा

निम्नलिखित में से किसी एक संस्मरण का वैशिष्ट्य रेखांकित कीजिएः–

(क) मैथिलीशरण गुप्त (ख) प्रेमचंद (ग) माखन लाल चतुर्वेदी (घ) रामावतार शर्मा

03. उपन्यास–कला की दृष्टि से 'मानस का हंस' का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'मानस का हंस' के उद्देश्य पर विचार कीजिए।

अथवा

तुलसीदास अथवा रत्नावली अथवा नरहरिदास का चरित्र–चित्रण कीजिए।

04. नाट्यकला की दृष्टि से 'अजातशत्रु' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

अजातशत्रु अथवा बिम्बसार अथवा छलना अथवा वासवी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

05. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) यश की चार, धन की चाह और कामिनी की चाह, यह तीनों एक ही है।

(ख) दूसरों का अपकार सोचने से अपना हृदय कलुषित होता है।

(ग) अमर साहित्य के निर्माता विलासी प्रवृत्ति के मनुष्य नहीं थे।

(घ) बुढ़ापा बहुधा बचपन का पुनरागम हुआ करता है।

(ड़) आवश्यकता की ऊँचाई को पार कर जब हम भावना को चोटी पर पहुँचते है, तब हमारे सामने जीवन का जो हृदय झूल जाता है, उसमें सौन्दर्य का स्वर्ग निवास करता है।

(च) तत्वतः ग्राम–गीत हृदय की वाणी है, मस्तिष्क की ध्वनि नहीं।

(छ) आनन्द का सम्बन्ध मनोभावों से है। साहित्य का विकास मनोभावों द्वारा ही होता है।

(ज) नारी का हृदय कोमलता का पालना है, दया का उद्‌गम है, शीतलता की छाया है और अनन्य भक्ति का आदर्श है।

(झ) शुद्ध बुद्धि तो निर्लिप्त होती है। केवल साक्षी रूप से सब दृश्य देखती है।

(ञ) वाक्–संयम विश्वमैत्री की पहली सीढ़ी है।